संख्या- 4/2026/आई/1280077-35-3-2026

प्रेषक,

दुर्गा प्रसाद,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या प्रभाग,
उत्तर प्रदेश,लखनऊ।

नियोजन अनुभाग-3 लखनऊ: दिनांक 25 मार्च, 2026

विषय: गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामान्य गैर वेतन मद (ओएच 31) के अन्तर्गत अवशेष राज्यांश की धनराशि स्वीकृति के संबध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-998/ले0-91/2004(2), दिनांक 18-03-2026 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा सामान्य मद (ओएच 31) के अन्तर्गत गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ के पक्ष में वर्ष 2023-24 व वर्ष 2024-25 में स्वीकृत कुल केन्द्रांश के सापेक्ष समतुल्य देय अवशेष राज्यांश रू0 1,00,90,000/- की धनराशि के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-40 लेखाशीर्षक- 3451-सचिवालय आर्थिक सेवाएं-800-अन्य व्यय-05-गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को अनुदान-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) मद के अन्तर्गत रू0 75,00,000/- के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में 50 प्रतिशत रू0 37,50,000/- का अनुदान शासनादेश संख्या-2/2026/35-

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3-2026/आई/1240010/2026 दिनांक 18.02.2026 द्वारा स्वीकृत किया गया है, उक्त के क्रम में अवशेष प्राविधान के सापेक्ष रू0-37,50,000/- का अनुदान के रूप में निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन स्वीकृत/अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं योजना हेतु निर्धारित दिशा निर्देशों/गाइड लाइन्स एवं संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं मद/कार्यों में किया जायेगा जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में न ही इसका व्यय किया जायेगा और न ही एक मद से दूसरे मद में इसका व्यावर्तन किया जायेगा।
3. गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ यह सुनिश्चित करेगें कि इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/स्रोत से धनराशि स्वीकृत नही की गयी है।
4. आंकडों की शुद्धता का दायित्व गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ का होगा।
5. वित्तीय स्वीकृति उपलब्ध बजट प्राविधान की सीमा के अन्तर्गत रहेगी, यह गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ का उत्तरदायित्व होगा।
6. वित्तीय स्वीकृतियॉ जारी करने अथवा धनराशि को विभागाध्यक्ष /नियंत्रक अधिकारी के निवर्तन पर रखे जाने से पूर्व गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ के स्तर पर की जाने वाली समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति अनिवार्यतः सुनिश्चित कर ली जाये। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का विभागाध्यक्ष /नियंत्रक अधिकारी के निर्वतन पर रखे जाने मात्र से किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है।
7. जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रहों तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति विभागाध्यक्ष/ नियंत्रक अधिकारी द्वारा प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने के पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।
8. व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययता के सबंध में वित्त विभाग द्वारा समय- समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
9. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 27.03.2025 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
10. स्वीकृति धनराशि का उपभोग चालू वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

11. अनुदान का भुगतान करने के लिए बिल आहरण हेतु गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ द्वारा बनाया जायेगा एवं उस पर अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।

12. अनुदान के उपयोग के सम्बन्ध में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

13. कोषागार से उतनी ही धनराशि समय-समय पर संस्थान द्वारा आहरित की जाएगी, जिसके भुगतान की तात्कालिक आवश्यकता हो,कोषागार से आहरित की जाने वाली धनराशि की आवश्यकता का आंकलन/ परीक्षण जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ द्वारा प्रश्नगत मद में संस्थान के सम्बन्धित बैंक आदि खातों में उपलब्ध धनराशि के आधार पर करते हुए यथा आवश्यक धनराशि के आहरण हेतु बिल प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।

14. उपरोक्त अनुदान का कोई भी भाग ऊपर वर्णित मदों के अतिरिक्त अन्य कार्य के लिए प्रयोग में नहीं लाया जायेगा। अवमुक्त की जा रही राज्यांश धनराशि का उपयोग इसी वित्तीय वर्ष में किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। अनुदान की आगामी किश्त की मांग के समय उपर्युक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रपत्र पर उपलब्ध कराया जायेगा।

15. इस अनुदान पर राजाज्ञा संख्या-ए-2364/दस-17/2(1)/67, दिनांक 20 जुलाई,1971 के संलग्नक में निहित अनुदान के नियम लागू होंगें।

16. उत्तर प्रदेश शासन से स्वीकृत अनुदान के लेखे-जोखे पृथक से रखे जायेंगें तथा उनका निरीक्षण, महालेखाकार, उत्त्र प्रदेश, प्रयागराज की इच्छा अनुसार किसी भी समय किया जा सकेगा तथा परीक्षण राज्य सरकार के नियोजन विभाग के अधिकारियों एवं निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा जब कभी वे चाहेंगें, किया जायेगा।

17. संस्थान को स्वीकृत उक्त अनुदान का उपभोग प्रमाण-पत्र संस्थान द्वारा आर्थिक बोध एवं संख्या निदेशक, लखनऊ के माध्यम से महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज एवं शासन को समयान्तर्गत भेजा जायेगा। आगामी किश्त की मांग के समय वित्तीय वर्ष 2024-25 के व्यय के आडिटेड ब्यौरों को भी उपलब्ध कराया जायेगा

2. उपर्युक्त मद पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-40 के अधीन लेखाशीर्ष "3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-800-अन्य व्यय-05-गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को अनुदान -20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)" के नामें डाला जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- यह आदेश वित्त विभाग के FINRMS से प्राप्त अशासकीय संख्या- E-5-269-X-2025-26-दिनांक: 24-3-2026 के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(दुर्गा प्रसाद)
अनु सचिव।

<u>संख्या एवं दिनांक तदैव:-</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. महालेखाकार, लेखा परीक्षा प्रथम व द्वितीय, उत्तर प्रदेश प्रयागराज।
3. वरिष्ठ आडिट आफीसर(आडिटर प्लानिंग)कार्यालय महालेखाकार, लेखा परीक्षा प्रथम, सत्यनिष्ठ भवन,15 थार्नहिल रोड, प्रयागराज।
4. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
5. मुख्य कोषाधिकारी, लखनऊ।
6. उप निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) लखनऊ मण्डल, लखनऊ।
7. अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ
8. सदस्य-सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद,पोस्ट बाक्स नं0-10580, अरूणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली।
9. निदेशक, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ।
10. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-5
11. नियोजन अनुभाग-1।
12. गार्ड फाइल/स्वीकृत पंजी।

आज्ञा से,

(दुर्गा प्रसाद)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in